

04/06/2020

आज यह परावली वकील डा. जी
 द्वारा मंत्र प्रार्थना उपस्थित होकर
 प्रार्थना चक्र प्रस्तुत करने पर
 पेशी में ली गयी। प्रार्थना में डा. जी
 प्रस्तुत कर निर्वासन क्रिया कि प्रक्रिया
 का संक्षेप में आपसी सहमति से
 राजीनामा देने की संभावना बन गई
 है, प्रार्थना चक्र में आगामी कोई कार्यवाही
 नहीं चाहते हैं। परावली आज की पेशी
 में ली जाकर विद्वान्ता करने हेतु
 निर्वासन क्रिया।

प्रार्थना की इशतहूदा पर
 प्रार्थना का डा. जी अन्तर्गत धारा 24-ख
 मौजूदा स्तर पर जरूर विद्वान्ता आदि
 किया जाता है, तथा न्यायालय द्वारा
 जारी आदेश निर्देशों के
 05.03.2020 को निरस्त किया जाता है।
 परावली फैसले में सुधार होकर मूल
 वाद संलग्न रहे।

उप खण्ड अधिकारी (राजस्व)
 रायसिंहनगर